

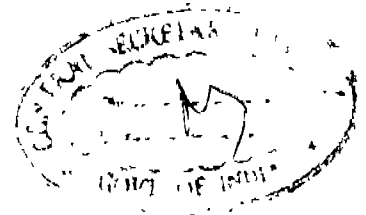


# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1  
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं. 143 ]  
No. 143]

नई दिल्ली, बुधस्वतिवार, अगस्त 8, 1996/श्रावण 17, 1918  
NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 8, 1996/SRAVANA 17, 1918

वाणिज्य मंत्रालय

अधिसूचना

संख्या 10/1/95-ए. डी. डी.

प्रारम्भिक निष्कर्ष

नई दिल्ली, 8 अगस्त, 1996

विषय : चीन जनवादी गणराज्य मूल के सोडियम फ़ैरोसाइनाइड के आयात के संबंध में पाटनरोधी जांच—प्रारम्भिक निष्कर्ष ।

भारत सरकार ने 1995 में यथासंशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 तथा सीमाशुल्क टैरिफ (डम्प की गई वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क की पहचान, निर्धारण तथा वसूली और क्षति का निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए ;

क. कार्यविधि

2. नीचे वर्णित कार्यविधि अपनाई गई है :—

- (1) नामित प्राधिकारी का (जिसे इसके बाद प्राधिकारी कहा जाएगा) उपर्युक्त नियमों के अंतर्गत घरेलू उद्योग की ओर से मै. साईनाइस एण्ड कैमिकल कम्पनी, बम्बई से लिखित याचिका प्राप्त हुई है जिसमें चीन जनवादी गणराज्य के (जिसके बाद उसे चीन कहा जाएगा) सोडियम फ़ैरोसाइनाइड के पाटन का आरोप लगाया गया है ।
- (2) प्राधिकारी ने ऊपर नियम 5 के उप-नियम (5) के अनुसारण में जांच शुरु करने से पूर्व याचिकाकर्ता द्वारा लगाए गए पाटन संबंधी आरोपों की प्राप्ति के बारे में चीन के दूतावास को सूचित किया ।
- (3) प्राधिकारी ने भारतीय सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की अनुसूची 1 के शीर्षक 2837.20 और भारत व्यापार वर्गीकरण (सुमेसित वस्तु विवरण तथा कोडिंग प्रणाली पर आधारित) के

तहत संख्या 2837.20.04 के अंतर्गत वर्गीकृत चीन मूल के सोडियम फ़ैरोसाइनाइड के आयातों के संबंध में पाटनरोधी कार्रवाई शुरु करने हेतु दिनांक 11 अक्टूबर, 1995 को एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी जो दिनांक 12 अक्टूबर, 1995 को भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित हुई थी ।

- (4) प्राधिकारी ने उक्त सार्वजनिक सूचना की एक-एक प्रति ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, उद्योग संघों तथा शिकायतकर्ता को दी थी और उन्हें लिखित विचार प्रकट करने का तथा मौखिक सुनवाई करने के लिए अनुरोध करने का अवसर दिया था ।
- (5) ऊपर नियम 6 के उप-नियम (3) के अनुसार, प्राधिकारी ने सभी ज्ञात निर्यातकों और चीन दूतावास को याचिका की एक-एक प्रति उपलब्ध कराई । याचिका की एक प्रति एक आयातक मै. सिटुर्गिया बायो-कैमिकल्स को उनके निवेदन पर उपलब्ध कराई गई । याचिका की दूसरी प्रति निवेदन पर मै. चाइना नेशनल कैमिकल कन्सट्रक्शन आहुई क. को भेजी गई ।
- (6) प्राधिकारी ने निम्नलिखित निर्यातकों से संगत जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें प्रश्नावली भेजी थी :—
  1. मैसर्स सिनोचेम लायमिंग, चीन
  2. मैसर्स शनाई कैमिकल इम्पोर्ट कारपोरेशन, चीन
  3. मैसर्स चाइना नेशनल कैमिकल्स कन्सट्रक्शन आहुई कं., चीन
  4. मैसर्स एडवान्सड कैमिकल्स लिमिटेड, हांगकांग
  5. मैसर्स गुआन्डोंग कैमिकल्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कारपोरेशन, चीन
- (7) जांच प्रारम्भ किए जाने के बारे में चीन के नई दिल्ली स्थित दूतावास को भी सूचित किया गया था और उनसे अनुरोध किया

- गया था कि वे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों को सलाह दें कि वे उन्हें भेजी गई प्रश्नावली का उत्तर निर्धारित समय के भीतर भेज दें ।
- (8) सोडियम फ़ैरोसाइनाइड के निम्नलिखित आयातकों को भी प्रश्नावली भेजी गई :—
1. मैसर्स सिटुर्गिया बायो-कैमिकल्स, बम्बई
  2. मैसर्स सेठ कैमिकल्स चर्क्स प्रा. लि., कलकत्ता
- (9) प्रश्नावली का जवाब मैसर्स सिटुर्गिया बायो-कैमिकल्स, बम्बई और मैसर्स सेठ कैमिकल्स चर्क्स प्रा. लि. कलकत्ता द्वारा भेजा गया । किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का जवाब नहीं भेजा ।
- (10) चूंकि, हांगकांग के एक निर्यातक, मैसर्स एडवांस कैमिकल्स लि. द्वारा चीन मूल की सामग्री का निर्यात किया गया था, निर्यातक से धारा 9ए (1)(सी) के परन्तुक के अनुसार सूचना उपलब्ध कराने का निवेदन किया गया । परन्तु इस संबंध में कोई सूचना प्राप्त नहीं हुई है ।
- (11) 17 जनवरी, 1996 को प्राधिकारी ने आयातकों, निर्यातकों, याचिकाकर्ताओं और चीन दूतावास को आगे अवसर उपलब्ध कराने हेतु एक सार्वजनिक सुनवाई आयोजित की । याचिकाकर्ता के अलावा दो आयातकों अर्थात् मैसर्स सिटुर्गिया बायो-कैमिकल्स और मैसर्स सेठ कैमिकल्स चर्क्स प्रा. लि. ने सुनवाई में भाग लिया । मैसर्स चाइना नेशनल कन्सट्रक्शन आर्गुई कम्पनी ने दिनांक 17-1-1996 को निर्धारित सुनवाई को इस तर्क पर स्थगित करने का निवेदन किया कि जनवरी से मार्च, 1996 तक चीन में एक के बाद एक राष्ट्रीय छुट्टियाँ होंगी । ऐसा चाहने की स्थिति में निर्यातक को लिखित टिप्पणियाँ भेजने की सलाह दी गई ।
- (12) आयातकों के निवेदन पर, जिन्होंने 17 जनवरी की सुनवाई में भाग लिया था, प्राधिकारी ने आयातकों को अपने मामले के बचाव के लिए कुछ और समय देने का निर्णय लिया और सुनवाई 9 फरवरी, 1996 तक स्थगित कर दी गई । तदनुसार, दूसरी सुनवाई 9 फरवरी, 1996 को आयोजित की गई जिसमें उपर्युक्त आयातकों और याचिकाकर्ता ने भाग लिया । मैसर्स एडवांस कैमिकल्स लि., हांगकांग ने सूचित किया कि वे सुनवाई में प्रतिनिधित्व के लिए किसी को भी नहीं भेज रहे हैं क्योंकि उनके द्वारा निर्यात किए गए माल की मात्रा उनके कुल व्यापार के प्रतिशत अनुपात में बहुत ही कम है । उनसे कोई लिखित अभ्यावेदन भी नहीं प्राप्त हुआ था ।
- (13) जिन पार्टियों ने उक्त सार्वजनिक सुनवाई में भाग लिया था उन सभी को सलाह दी गई कि वे सार्वजनिक सुनवाई में किए गए अनुरोधों को लिखित रूप में प्रस्तुत करें ताकि जांच से जुड़ी अन्य पार्टियों के प्रत्युत्तर प्राप्त किए जा सकें और पार्टी (पार्टियों) द्वारा लिखित अनुरोध अन्य पार्टी (पार्टियों) को उनकी प्रति-टिप्पणियाँ प्राप्त करने के लिए प्रस्तुत किए गए ।
- (14) प्राधिकारी ने जांच के लिए आवश्यक समझी गई जानकारी मांगी और उसे सत्यापित किया और इस प्रयोजनार्थ यह जांच याचिकाकर्ता को बम्बई के प्रमुख कार्यालय और सूरत स्थित कारखाना परिसरों में की गई ।
- (15) प्राधिकारी ने लागत जांच भी सामान्य रूप से स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों तथा उक्त नियम 6(8) के अनुसार उत्पादन की अधिकतम लागत तथा भारत में सोडियम फ़ैरोसाइनाइड को बनाने और खरीदने की लागत का पता लगाया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क हानि को समाप्त करने में पर्याप्त होगा ।
- (16) जांच में 1 अप्रैल, 1994 से 30 जून, 1995 तक का समय लगा ।
- ख. याचिकाकर्ता के विचार**
3. याचिकाकर्ता ने निम्नलिखित मुद्दे उठाए :—
- (i) याचिकाकर्ता बरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करता है । याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित सोडियम फ़ैरोसाइनाइड चीन से आयात किए जाने वाले सोडियम फ़ैरोसाइनाइड जैसा उत्पाद है ।
  - (ii) चीन 1993-94 से भारत में सोडियम फ़ैरोसाइनाइड का पाटन कर रहा है और याचिकाकर्ता ने पहले भी पाटनरोधी शुल्क की लेवी पर विचार करने का सरकार से निवेदन किया था, जिसे सरकार ने निरस्त कर दिया था ।
  - (iii) पाटन के कारण 1994-95 में सोडियम फ़ैरोसाइनाइड का आयात 118 मी. टन तक बहुत तेजी से बढ़ा और याचिकाकर्ता को दुबारा सरकार से पाटनरोधी शुल्क की लेवी के लिए निवेदन करने पर मजबूर होना पड़ा ।
  - (iv) सोडियम फ़ैरोसाइनाइड के उत्पादन में काम आने वाला मूल कच्चा माल सोडियम के मूल्य को ध्यान में रखते हुए, केवल इस कच्चे माल का मूल्य भी चीन के निर्यातकों से वसूल किया जा रहा है ।
  - (v) चीन एक बाजार अर्थव्यवस्था नहीं होने की वजह से सामान्य मूल्य का आधार चीन के लिए आकलित उत्पादन की लागत पर होना चाहिए जो प्रति मी. टन 1440 अमरीकी डालर बैठता है ।
  - (vi) चीन से सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की सी. आई. एफ. निर्यात कीमत को जब उसी व्यापार स्तर पर समायोजित किया जाता है तब यदि सामान्य मूल्य से इसकी तुलना की जाती है तो वह 615 अमरीकी डालर बैठती है । इससे चीन से निर्यातकों द्वारा भारत में सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की डंपिंग किए जाने की पुष्टि हो जाती है ।
  - (vii) सोडियम फ़ैरोसाइनाइड के आयातों में तेजी से वृद्धि हुई जो 18 मी. टन (1993-94) से 118 मी. टन (1994-95) तथा 1995-96 के पहले 6 महीनों में बढ़कर 155 मी. टन हो गए ।
  - (viii) चीन से आयातों में बाजार शेयर में नाटकीय रूप से वृद्धि हुई है जो 4% (1993-94) से बढ़कर 49% (1995-96) हो गए ।
  - (ix) सोडियम फ़ैरोसाइनाइड उत्पादन की लागत में वृद्धि के बावजूद वर्षों से लगभग उसी कीमत स्तर पर चीन से इसके निर्यातों से भारतीय बाजारों में कीमत में गिरावट आई ।
  - (x) चीन से डंपिंग की वजह से भारत में कीमत की गिरावट की स्थिति बनी हुई है ।
  - (xi) भारतीय उद्योग को डंप किए गए आयातों द्वारा प्रत्यक्ष रूप से वास्तविक तथा यथार्थ क्षति हुई है ।

**ग. निर्यातकों के विचार**

4. निर्यातकों द्वारा व्यक्त किए गए विचार संक्षेप में नीचे दिए गए हैं:—

- (i) चीन में तेजी से होने वाले आर्थिक सुधार कार्यक्रम के कारण अर्थ-व्यवस्था में सुधार हो रहा है तथा सभी आर्थिक क्रियाकलाप आवश्यक विदेशी आपूर्ति तथा बाजार की मांग द्वारा निर्देशित हैं तथा चीन में उद्यमों के लाभ और हानि के लिए वे स्वयं जिम्मेदार हैं और उनके उत्पादों की कम कीमत पर बिक्री से उनके दीर्घालिप्पन की स्थिति हो जाएगी।
- (ii) भारत को निर्यात किए गए सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की कीमतों कच्चे माल तथा श्रम की सस्ती लागत के कारण कम है तथा चीनी मूल के सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की डंपिंग नहीं हुई है।
- (iii) निर्यात किए गए माल की मात्रा उनकी कुल खपत की प्रतिशतता के रूप में बहुत कम है और इसका सुनवाई के दौरान कोई उल्लेख नहीं हुआ था।

**घ. आयातकों के विचार**

5. सार्वजनिक सुनवाई में आयातकों द्वारा व्यक्त किए गए तथा लिखित में दिए गए प्रमुख विचार निम्नानुसार हैं:—

- (i) सोडियम फ़ैरोसाइनाइड का आयात आपूर्ति के दो स्रोतों को सुनिश्चित करने के लिए करना पड़ता है क्योंकि गुजरात ऐल्कली तथा कैमिकल्स कंपनी द्वारा सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की पर्याप्त मात्रा की आपूर्ति नहीं की जा सकी।
- (ii) चीन से सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की कीमत बढ़कर प्रति मी. टन 1066 अमरीकी डालर हो गई है।
- (iii) चीन से सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की भी आई एक कीमत कमोवेश 1992-93 से स्थिर बनी रही है। सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की चीन की कीमतें भारत में सीमाशुल्क में कमी के कारण भारतीय बाजार में कम हुई है न कि चीन द्वारा उर्ध्व करने के कारण।
- (iv) अन्य देशों जैसे पश्चिम जर्मनी से निर्यात कीमत लगभग 800 अमरीकी डालर प्रति मी. टन है जिससे सिद्ध होता है कि चीन उत्पाद कम कीमतों पर डम्प नहीं किए गए हैं।
- (v) चीन में 1350 अमरीकी डालर प्रति मी. टन का सामान्य मूल्य मगमाने वंग से इसलिए बढ़ाया गया लगता है कि वही उत्पादन अन्य यूरोपीय समुदाय से लगभग चीनी कीमतों पर ही उपलब्ध होता है।
- (vi) याचिकाकर्ता द्वारा सोडियम साइनाइड का निर्यात उसी पार्टी को नहीं किया गया है जिससे वह सोडियम फ़ैरोसाइनाइड का आयात करता रहा है। याचिकाकर्ता द्वारा निर्यात किए गए सोडियम साइनाइड का चीन में संभवतः कोई अन्य उपयोग किया जाता है न कि इसका इस्तेमाल सोडियम फ़ैरोसाइनाइड में बदलने के लिए किया जाता है।
- (vii) याचिकाकर्ता ने सामान्य मूल्य निकालने के लिए अपनी विनिर्माण प्रक्रिया एवं खपत के मानदण्ड अपनाए हैं जो कि चीन में भिन्न हो सकते हैं। चीन की लागत लगाने के लिए कुछेक कच्चे माल की भारतीय कीमतें हिसाब में ली गई हैं।
- (viii) याचिकाकर्ता ने स्वीकार किया है कि तृतीय देशों को चीन की

निर्यात कीमत लगभग उसी स्तर पर है जिस पर यह भारत को निर्यात किया जा रहा है। इससे इस बात की पुष्टि होती है कि चीन से कोई डंपिंग नहीं हुई है।

- (ix) याचिकाकर्ता एक बहुउत्पाद कंपनी है और इसने निर्धारित लागत के आवंटन का आधार प्रस्तुत नहीं किया है।
- (x) याचिकाकर्ता का संयंत्र बड़े आकार का हो सकता है जिसके परिणाम स्वरूप उसका उपयोग कम हुआ।
- (xi) याचिकाकर्ता भारत में एक एकाधिकार प्राप्त उत्पादक है।
- (xii) याचिकाकर्ता ने सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की कीमतों में कमी करने पर विचार करने से इंकार कर दिया। मैसर्स गुजरात ऐल्कलीज एंड कैमिकल्स लि० के अनुरोध पर चीन की कीमतों के अनुरूप अपनी कीमतों को कम किया जिसका तात्पर्य है कि याचिकाकर्ता द्वारा भी कीमतों को कम करने की काफी गुंजाइश थी।
- (xiii) निर्यातक अपनी प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया में परिवर्तन कर सकते थे जिससे उनके लिए कीमतों को बनाए रखना संभव होता और कीमतों को प्रतिवर्ष बढ़ाना आवश्यक नहीं।

**ङ. प्राधिकारी द्वारा जांच तथा निष्कर्ष**

6. इन निष्कर्षों पर पहुंचते समय निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य शुद्धक पार्टियों द्वारा किए गए अनुरोधों की जांच की गई तथा उन पर विचार किया गया और जहां पर उपयुक्त हुआ, उस पर बाद में विचार किया गया।

7. निर्यातकों से निर्धारित प्रपत्र में कोई प्रत्यक्ष उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने नियम 6(8) सुपरा के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निष्कर्षों की पुष्टि की है।

**च. समान वस्तुएं**

8. सोडियम फ़ैरोसाइनाइड एक आर्गेनिक रसायन है और सोडियम साइनाइड से इसका निर्माण किया जाता है। इसका उपयोग इलैक्ट्रोप्लेटिंग उद्योग आदि में फैंसीसिंग पिगमेंट्स फोटोग्राफिक फिक्सिंग एजेंट्स का उत्पादन करने के लिए तथा फलों के एसिड तथा भेषजीय/रसायन उद्योग आदि की फरमेंटेशन प्रक्रियाओं के लिए किया जाता है। सोडियम फ़ैरोसाइनाइड को भारतीय व्यापार वर्गीकरण (समेहित वस्तु विवरण पर आधारित) के अंतर्गत संख्या 2837.20.04 के तहत और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 की अनुसूची-1 के सीमाशुल्क कोड 2837.20 के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

9. चीन से आयात किए जा रहे सोडियम फ़ैरोसाइनाइड की विशेषताएं थरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित किए जा रहे सोडियम फ़ैरोसाइनाइड से काफी मिलती जुलती हैं। अतः दोनों को नियम 2 (ब) सुपरा के अनुसार समान उत्पाद माना जाता है। अतः सोडियम फ़ैरोसाइनाइड उत्पादन इस जांच के कार्य क्षेत्र में आता है।

**छ. थरेलू उद्योग**

10. यह याचिका मैसर्स साइनाइड एंड कैमिकल्स कं० (जो मैसर्स हिन्दुस्तान डेवलपमेंट कारपोरेशन की एक इकाई है) 65, प्री प्रैस हाउस, नरीमन प्वाइंट मुंबई-400 021 द्वारा दर्ज की गई है। मैसर्स गुजरात ऐल्कलीज एंड कैमिकल्स लि० द्वारा भी सोडियम फ़ैरोसाइनाइड का उत्पादन किया जा

रहा है। तथापि याचिकाकर्ता का उत्पादन भारतीय कुल उत्पादन का 80% से भी अधिक होता है। अतः याचिकाकर्ता नियम 2(ख) सुपरा के अनुसार एक घरेलू उद्योग है।

#### ज. सामान्य कीमत

11. याचिकाकर्ता ने इस तर्क के साथ कि चीन में बाजारी अर्थव्यवस्था नहीं है और वहां पर प्रचलित घरेलू मूल्यों के बारे में कोई सूचना प्राप्त करना न केवल कठिन है बल्कि भ्रामक भी है, चीन में घरेलू मूल्यों पर आधारित सोडियम फेरोसाइनाइड की सामान्य कीमत की सूचना नहीं भेजी है। यद्यपि इसने तीसरे देशों को होने वाले निर्यात मूल्य भेजे हैं किन्तु उसने आरोप लगाया है कि ये डम्पड मूल्यों पर हैं और इन पर विश्वास नहीं किया जा सकता है। याचिकाकर्ता ने सुझाव दिया है कि चीन के लिए निर्मित उत्पादन की लागत के आधार पर सामान्य मूल्य निकाला जाए।

12. याचिकाकर्ता ने चीन को सोडियम फेरोसाइनाइड के उत्पादन के लिए एक प्रमुख कच्ची सामग्री सोडियम साइनाइड का निर्यात किया है और अनुरोध किया है कि चीन को जिस मूल्य पर सोडियम साइनाइड का निर्यात किया गया है उसे चीन में इसी उत्पाद का घरेलू मूल्य तय करने के लिए विचार किया जाए। अन्य लागत तत्वों के बारे में यह सुझाव दिया गया था कि भारत में सोडियम फेरोसाइनाइड के उत्पादन कुल लागत को आधार बनाया जाए।

13. कुछ आयातकों ने सामान्य कीमत निकालने में याचिकाकर्ता द्वारा प्रयुक्त तरीके पर, जैसाकि उपरोक्त पैरा 5 में निर्धारित किया गया है, अपने विचार व्यक्त किए हैं।

14. किसी भी निर्यातक ने सामान्य कीमत के बारे में कोई सूचना नहीं भेजी है। निर्माण लागत के आधार पर निर्धारित 1350 अमरीकी डालर प्रति मी. टन सामान्य कीमत को शुरु कराने वाली अधिसूचना में उल्लेख करने पर इसका किसी निर्यातक ने खण्डन नहीं किया है।

15. प्राधिकारी ने उपरोक्त राय पर विचार करते हुए उपलब्ध तथ्यों के आधार पर सामान्य कीमत तय की। प्राधिकारी ने यह बात नोट की है कि यद्यपि यह बात सत्य नहीं हो सकती है कि चीन बाजार अर्थव्यवस्था अभी स्थापित कर रहा है, तथापि निर्यातक निर्धारित रूप एवं ढंग से सूचना प्रेषित करने में असफल रहा है और उसने गृह बाजार में उत्पाद के बिक्री मूल्य नहीं बताए हैं। निर्यातक ने सस्ती कच्ची सामग्री एक श्रम की उपलब्धता के बारे में दलील देते समय न तो कोई प्रमाण दिया है और न अन्तर की मात्रा बता पाया है। इसलिए इस बारे में निर्यातक के मात्र कथन पर विचार नहीं किया जा सकता। समुचित संदर्भ-स्तरों को अपनाते हुए चीन की परिस्थितियों के अनन्तर्गत सामान्य कीमत पुनः तय करनी पड़ी। विश्व के विभिन्न देशों को भारत से होने वाले सोडियम साइनाइड के भारत औसत निर्यात मूल्य और भारतीय उद्योग पर आधारित अन्य लागतों को सोडियम फेरोसाइनाइड की सामान्य कीमत पुनः निर्धारित करने पर विचार किया गया। सामान्य कीमत उपरोक्त अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (ग)(II)(ख) के अनुसार निर्धारित की गई।

#### झ. निर्यात मूल्य

16. चीन के निर्यातकों ने प्राधिकारी को बांछित संगत सूचना उपलब्ध नहीं कराई है। इसलिए निर्यात मूल्य प्राधिकारी द्वारा निर्धारित प्रपत्र में आयातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर निर्यात मूल्य तय किया गया।

17. चूंकि आयातकों ने सी आई एफ मूल्य प्रदान किए हैं, इसलिए निर्धारित प्रपत्र में निर्यातकों से सीधे कोई उत्तर न मिलने के अभाव में याचिकाकर्ता और आयातकों द्वारा प्रदत्त सूचना के आधार पर कारखाना द्वारा निर्यात मूल्य तय करने के लिए सी आई एफ मूल्य समायोजित करने पड़े। याचिकाकर्ता ने (1) समुद्री भाड़ा (80 अमरीकी डालर), (2) बीमा (10 अमरीकी डालर), (3) आनुवंशिक व्यय (5 अमरीकी डालर) और (4) पैकिंग और अन्तर्देशीय भाड़ा (20 अमरीकी डालर) के समायोजन का दावा किया है। मद सं. (3) तथा (4) के समायोजन के समर्थन में साक्ष्य उपलब्ध नहीं है। समुद्री भाड़े के लिए समायोजन के लिए 80 अमरीकी डालर की राशि स्वीकार कर ली गई है जबकि बीमा के समायोजन के लिए आयातकों की सूचना के आधार पर निर्यातकधार निर्यात मूल्य निर्धारित करने के लिए 0.377% से 0.62% की दर पर सी आई एफ मूल्य पर विचार किया गया है।

#### ट. तुलना

18. सामान्य मूल्य और निर्यात मूल्य की उचित तुलना करने के उद्देश्य से प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता, आयातकों द्वारा दी गई सूचना तथा निर्यातकों से निर्धारित प्रपत्र और तरीके से सीधा जवाब न मिलने की स्थिति में अपने पास उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर ध्यान दिया। प्राधिकारी ने भारत औसत निर्यात मूल्य की तुलना सामान्य मूल्य से की है व्यक्तिगत निर्यातक के लिए दोनों कारखाना द्वार स्तर पर और निम्नलिखित डम्पिंग मार्जिन निकाले हैं :—

	अमरीकी डालर/मी. टन
निर्यातक	डम्पिंग मार्जिन
एडवॉंस वेम लि०	630
चाइना नेशनल केमिकल कंस्ट्रक्शन आर्गुई कं०	638
गुआन्डोंग केमिकल्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कार्पो०	586
सिनोवेम लाइमिंग	643

19. प्राधिकारी ने नोट किया कि सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत केवल जांच अवधि के दौरान पाटन का निर्णय लेने के लिए प्रासंगिक है और भारत के लिए निर्धारित चालू निर्यात कीमत या अन्तराष्ट्रीय कीमतें इस उद्देश्य के लिए प्रासंगिक नहीं हैं।

#### ठ. क्षति

20. ऊपर नियम 11 के तहत जब क्षति होने के बारे में कोई निष्कर्ष निकाला जाता है तो ऐसे निष्कर्ष में घरेलू उद्योगों को हुई क्षति का निर्धारण करना शामिल होगा, "..... सभी संगत तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जिसमें डम्प किए गए आयात की मात्रा और वैसी ही वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पड़ने वाला उनका प्रभाव और ऐसी वस्तुओं को घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों का परिणामी प्रभाव शामिल है ..... " कीमतों पर डम्प किए गए आयातित माल के प्रभाव पर विचार करते हुए यह आवश्यक समझा जाता है कि इस बात की जांच की जाए कि क्या डम्प किए गए आयात से भारत में वैसी ही उत्पाद की कीमत की तुलना में कीमत में कोई अधिक गिरावट आई है, अथवा क्या कीमतों को किसी विशेष स्तर तक घटाने अथवा किसी विशेष स्तर तक कीमत वृद्धि जो कि अन्यथा हुई होती, को रोकने के लिए ऐसे आयात का अन्यथा प्रभाव पड़ा।

21. भारत में घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच के लिए प्राधिकारी ने उन विषयों पर विचार किया जो उद्योग की स्थिति पर प्रभाव डालते हैं जैसे उत्पादन, क्षमता-उपयोग, बिक्री, स्टॉक, लाभप्रदता और निबल बिक्री आय आदि।

#### (क) डम्प किए गए आयात की मात्रा और बाजार अंश

22. जांच अवधि के दौरान सोडियम फेरोसाइनाइड का चीन से आयात 18 मी. टन (1993-94) से बढ़कर 320 मी. टन हो गया जिसके फलस्वरूप आयात की मात्रा में काफी तीव्र वृद्धि हुई।

23. जांच अवधि के दौरान चीन से आयातित कुल मात्रा और भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्री से देश की कुल मांग में आयात का बाजार अंश 4% (1993-94) से तेजी से बढ़कर 32% हो गया। याचिकाकर्ता को भीचे पैरा 28 में दिए गए ब्यौरे के अनुसार बिक्री मूल्य में तीव्र गिरावट आने के बावजूद बाजार हिस्से में महत्वपूर्ण हानि हुई।

#### (ख) चीन से निर्यात मूल्य

24. जांच अवधि के दौरान चीन से सी आई एफ निर्यात मूल्य 22300 प्रति मी. टन (1993-94) और 21217 प्रति मी. टन थी इसलिए लगभग स्थिर रहा। याचिकाकर्ता ने आरोप लगाया है कि 1993-94 में निर्यात मूल्य डम्पड मूल्य पर थे और सचमुच में उन्होंने याचिका दायर की थी।

#### (ग) उत्पादन और क्षमता उपयोग

25. याचिकाकर्ता का उत्पादन वर्ष 1992-93 में औसत लगभग 49 मी. टन प्रति माह से घटकर जांच अवधि के दौरान लगभग 34 मी. टन प्रति माह हो गया। प्राधिकारी ने यह बात नोट की है कि वर्ष 1993-94 के दौरान उत्पादन अधिक स्टॉक की वजह से और भी कम था (औसत 29 मी. टन प्रति माह) याचिकाकर्ता वर्ष 1992-93 और 1993-94 में बेचे गए उत्पाद के बिक्री मूल्यों के स्तर से कम बिक्री मूल्यों में वृद्धि के कारण जांच अवधि के दौरान उत्पादन में वृद्धि कर सकता था।

#### (घ) निश्चित मात्रा में बिक्री

26. औसत निश्चित मात्रा में बिक्री (1992-93) में 42 मी. टन/माह (1993-94) में 38.4 मी. टन/माह और जांच अवधि के दौरान 39.6 मी. टन/माह थे। वर्ष 1993-94 में और उससे आगे उत्पाद की बिक्री मूल्य में गिरावट आने के बावजूद याचिकाकर्ता वर्ष 1992-93 में प्राप्त किए गए स्तर तक अपने उत्पाद की बिक्री नहीं कर सका, यद्यपि वह वर्ष 1993-94 की तुलना में जांच अवधि के दौरान थोड़ा बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकता था।

#### (ङ) स्टॉक

27. प्राधिकारी ने यह बात नोट की है कि वर्ष 1993-94 के आरम्भ में याचिकाकर्ता के पास 222 मी. टन का उच्च स्टॉक का जो जून 1994 में धीरे-धीरे घटकर 23.2 मी. टन तक कम हो गया इसकी मुख्य वजह 1993-94 में उत्पादन क्रियाकलाप में गिरावट तथा कम बिक्री मूल्य की वजह से थोड़ा अधिक वृद्धि का होना था।

#### (च) औसत बिक्री प्राप्ति

28. जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की इकाई बिक्री प्राप्ति—क्रमशः घटकर 53478 प्रति एम. टी. (1992-93) से 51768 प्रति एम. टी.

(1993-94) और 47255 प्रति एम. टी. हो गई। प्राधिकारी का अभिमत था कि जांच के दौरान औसत बिक्री प्राप्ति उत्पादन की अधिकतम लागत से कम थी जिसके परिणामस्वरूप याचिकाकर्ता को हानि हुई।

#### (छ) कम मूल्य मांगना

29. प्राधिकारी को पता चला है कि चीन के निर्यातक भारतीय बाजार में सोडियम फेरोसाइनाइड का कम मूल्य मांग रहे थे और चीन से डम्पड आयातों को देखते हुए घरेलू उद्योग को अपने मूल्य शनैः शनैः और लगातार कम करने पड़े।

#### (ज) मूल्य को दबाना

30. प्राधिकारी को मालूम हुआ है कि निवेशों की लागत में वृद्धि के बावजूद पिछले वर्षों के दौरान चीन के निर्यातक द्वारा निर्यात मूल्यों को लगभग बनाए रखने से ऐसी स्थिति पैदा हो गई कि भारतीय बाजार में मूल्य को दबाना पड़ा जिसके कारण उत्पादन की लागत में वृद्धि के अनुरूप अपने मूल्य को बढ़ाने से घरेलू उद्योग को रोका गया।

#### (झ) लाभ-हानि

31. याचिकाकर्ता बहु-एकक संगठन का एक भाग है जो बहु-उत्पाद क्रियाकलापों में लगा है और मुद्रित वार्षिक लेख से विचारार्थ उत्पाद के संबंध में कम्पनी की वित्तीय स्थिति के बारे में कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। तथापि, प्राधिकारी ने सामान्य रूप से स्वीकृत लेखा सिद्धान्तों के आधार पर खर्चों के आबंटन और विभाजन पर विचार करने के उपरान्त विचाराधीन उत्पाद से याचिकाकर्ता की लाभप्रदता पर विश्वास किया। प्राधिकारी ने इसे नोट किया कि याचिकाकर्ता को औसत बिक्री प्राप्ति उत्पादन लागत से कम है, जिसके कारण—सोडियम फेरोसाइनाइड कि बिक्री से हानि हुई।

#### (ट) क्षति का निष्कर्ष

32. प्राधिकारी इस अपरिहार्य तर्क पर पहुंचे कि संश्लिष्ट और एकत्रित होकर सभी संबंधित कारक इसे प्रमाणित करते हैं कि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को वास्तविक हानि हुई।

#### (ड.) कारण संबंध

33. डम्प किए गए आयातों से घरेलू उद्योगों को क्या वास्तविक हानि हुई है, इसका निर्धारण करते समय, प्राधिकारी ने निम्नलिखित तथ्यों को ध्यान में रखा :—

- (i) चीन से होने वाले उत्पदों के आयात में मुक्त रूप से वृद्धि हुई और भारत में उत्पाद का उत्पादन और उपभोग तुलनात्मक दृष्टि से बढ़ा है। चीन से हुए कुल आयातों के अंश में भी वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योगों ने अपना बाजार अंश खो दिया है।
- (ii) डम्पड मूल्यों पर चीन से सोडियम फेरोसाइनाइड के आयात से घरेलू उद्योग को अपने बिक्री मूल्यों को अलाभप्रद स्तर तक कम करना पड़ा जिससे भारतीय बाजार में मूल्य को दबाना पड़ा।
- (iii) चीन से होने वाले आयातों से घरेलू उद्योगों की कीमतें इतनी गिरी कि घरेलू उद्योगों को अपनी पूरी उत्पादन लागत वसूल करने और भारत में सोडियम फेरोसाइनाइड की बिक्री से होने वाले उचित लाभ कमाने में बाधा आई।

## (ड.) भारतीय उद्योग का हित

34. पाटनरोधी शुल्कों को लगाने का उद्देश्य यह है कि सामान्य तौर पर ऐसे पाटन को समाप्त किया जाए जिससे भारतीय उद्योग को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में पुनः खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति लाई जाए जो कि देश के सामान्य हित में है।

35. प्राधिकारी ने यह स्वीकार किया कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से सोडियम फेरोसायनाइड का उपयोग करके उत्पादित उत्पादों के मूल्य स्तर प्रभावित होंगे और इसके परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ेगा। तथापि, भारतीय बाजार में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा पाटनरोधी उपायों से कम नहीं हो जाएगी, विशेषकर तब जब पाटनरोधी शुल्क लगाया जाना घरेलू उद्योग की हानि में सुधार करने के लिए आवश्यक राशि तक सीमित हो। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन प्रक्रियाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभ समाप्त हो जाएंगे, घरेलू उद्योग की अवन्ति रुकेगी और सोडियम फेरोसायनाइड के उपभोक्ताओं को और ज्यादा व्यापक विकल्प की उपलब्धता बनाए रखने में सहायता मिलेगी। प्राधिकारी ने नोट किया है कि पाटनरोधी उपायों के लागू करने से चीन से आयातों पर किसी भी तरह प्रतिबंध नहीं लगेगा और इस प्रकार उपभोक्ताओं को उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी। उपभोक्ताओं के लिए आपूर्ति दो या उससे भी ज्यादा स्रोत बने रहेंगे।

36. प्राधिकारी ने इसकी पुष्टि की है कि इसने घरेलू उद्योग के लिए भारत में सोडियम फेरोसायनाइड को उचित बिक्री कीमत तय की है जोकि याचिकाकर्ता के लिए क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर उत्पादन की इष्टतम लागत पर विचार करके घरेलू उद्योग की हानि को दूर करने के लिए आवश्यक पाटनरोधी शुल्क सुनिश्चित करने के लिए है।

37. पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करते समय याचिकाकर्ता को डम्पिंग के अतिरिक्त अन्य कारकों में हाने वाली क्षति पर प्राधिकारी द्वारा विचार नहीं किया गया जो कि याचिकाकर्ता को होने वाली क्षति के पूरी तरह समाप्त करने के लिए आवश्यक है।

38. सीमा शुल्क में कमी करने से यह किसी भी तरह पाटन को स्वतः प्रभावित नहीं करेगा। जहां तक हानि का संबंध है, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा झेली आ रही हानि के स्तर की गणना की जांच अवधि के दौरान लागू सीमा शुल्क पर विचार करने के बाद किया है।

39. प्राधिकारी ने नोट किया है कि भारत में सोडियम फेरोसायनाइड की मांग देश के अन्दर उपलब्ध क्षमताओं से कम है। तथापि, प्राधिकारी ने क्षमता उपयोग के इष्टतम स्तर पर विचार करते हुए उचित बिक्री मूल्य निकाला है और इस प्रकार अपेक्षाकृत अधिक ऊपरी छर्च का भार जो कि मांग की तुलना में ज्यादा बड़ी क्षमता के कारण है, निष्प्रावी कर दी गई है। आगे, चूंकि चीन के उद्गम से होने वाले आयातों पर पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने से उस देश से होने वाले आयात प्रतिबंधित नहीं होंगे, इसलिए आयातों से घरेलू बाजार प्रतिस्पर्धी बना रहेगा और घरेलू उद्योग से कोई अनुचित लाभ होने की शूट नहीं मिलेगी। याचिकाकर्ता एकाधिकार का प्रयोग नहीं कर सकता।

40. यद्यपि यह सही हो सकता है कि निर्यातक ने अपनी प्रौद्योगिकी और प्रक्रिया बदल ली हो, फिर भी यह अनुमानित है। किसी भी निर्यातक ने इस संबंध में कोई तर्क नहीं दिया है, न ही इसका निर्धारण किया जा

सकता है। इस प्रकार इस तर्क को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

41. प्राधिकारी ने इसे नोट किया है कि याचिकाकर्ता तथा अन्य उत्पादक को आयातक ने सोडियम फेरोसायनाइड का मूल्य कम करने को मजबूर किया जिससे कि भारतीय बाजार में प्रचलित मूल्य को दबाने की स्थिति स्पष्ट रूप से प्रमाणित होती है।

## (ण.) निष्कर्ष

42. तदनुसार प्राधिकारी इस निष्कर्ष पर पहुंचा है कि :

(1) चीन मूल के सोडियम फेरोसायनाइड का निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है,

(2) भारतीय घरेलू उद्योग ने आर्थिक नुकसान उठाया है,

(3) यह क्षति चीन से होने वाले आयात से हुई है,

43. प्राधिकारी यह आवश्यक समझता है कि चीन से होने वाले सोडियम फेरोसायनाइड के आयात पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए ताकि अनन्तिम रूप से निर्धारण होने तक, घरेलू उद्योग की आर्थिक हानि से बचाया जा सके। निर्यात मूल्य, सामान्य मूल्य और प्रत्येक ज्ञात निर्यातक के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित पाटन की सीमा पैरा 18 में दी गई है।

44. प्राधिकारी ने विचार किया कि क्या डम्पिंग मार्जिन से कम शुल्क लगाया क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए एक निर्यातक द्वारा किए गए सभी निर्यातों की भारत औसत उतराई कीमत की तुलना जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योगों की उचित बिक्री कीमत से की गई है। जहां यह अन्तर डम्पिंग मार्जिन से भी कम था, वहां क्षति की मात्रा तक शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है जबकि दूसरे मामले में पूरे डम्पिंग मार्जिन तक शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है और तदनुसार प्राधिकारी की सिफारिश है कि अनन्तिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क कोड 2837.20.04 के अन्तर्गत आने वाले सभी सोडियम फेरोसायनाइड के आयात पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तारीख से नीचे बताए अनुसार अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

निर्यातक	शुल्क की राशि (रु. प्रति मी० टन)
एडवॉस चेम लि०	19,877
चाइना नेशनल कैमिकल कंस्ट्रक्शन आहुई कंपनी	20,129
गुआन्डोंग कैमिकल्स इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कार्पोरेशन	16,358
सिमोचेम लायनिंग	20,287
उपर्युक्त के अलावा निर्यातक	20,287

45. प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग-अलग लिखा जा रहा है जो अपने विचारों से अवगत करा सकते हैं और प्राधिकारी को मौखिक सुनवाई के लिए भिवेदन कर सकते हैं। अन्य हितबद्ध पार्टी भी प्राधिकारी को इसके प्रकाशन की तारीख से चालीस दिन के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती है।

(टी.एस. विजयरामवन)

नामित प्राधिकारी

और

अपर सचिव, भारत सरकार

## MINISTRY OF COMMERCE

## NOTIFICATION

No. 10/1/95-ADD

New Delhi, the 8th August, 1996

## PRELIMINARY FINDINGS

**SUBJECT :** Anti-dumping investigation concerning imports of Sodium Ferrocyanide originating from the People's Republic of China—preliminary findings.

The Government of India having regard to the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof

## A. PROCEDURE

2. The procedure described below has been followed:

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under the above Rules, received a written petition from M/s. Cyanides and Chemicals Company, Bombay on behalf of the domestic industry, alleging dumping of Sodium Ferrocyanide originating from the People's Republic of China (hereinafter referred to as China);
- (ii) The Authority notified the Embassy of China about the receipt of dumping allegations made by the petitioner before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-Rule (5) of Rule 5 supra;
- (iii) The Authority issued a Public Notice dated 11th October, 1995 published in the Gazette of India, Extraordinary on 12th October, 1995, initiating anti dumping proceedings concerning imports of Sodium Ferrocyanide originating from China classified under heading 2837.20 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 2837.20.04 under Indian Trade Classification (based on Harmonized Commodity Description and Coding System);
- (iv) The Authority forwarded copy of the said public notice to the known exporters, importers, industry, associations and to the complainant and gave them an opportunity to make their view known in writing and to request for an oral hearing;
- (v) According to sub-rule (3) of Rules 6 supra, the Authority provided a copy of the petition to all the known exporters and Embassy of China. A copy of the petition was also made available to M/s. Citurgia Bio-chemicals, an importer, on request. Another copy of the petition was sent to M/s. China National Chemical Construction Ahui Co., on request.
- (vi) The Authority sent questionnaires, to elicit relevant information, to the following exporters:
  1. M/s. Sinochem liaoning, China
  2. M/s. Shangai Chemicals Imp. & Exp. Corporation, China

3. M/s. China National Chemical Construction Ahui Co., China
  4. M/s. Advanced Chemicals Ltd., Hong Kong
  5. M/s. Guandong Chemicals Imp. and Exports Corp., China
- (vii) The Embassy of China in New Delhi was also informed about the initiation of investigation and was request, to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time;
  - (viii) The questionnaire was sent to the following importers of Sodium Ferrocyanide:
    1. M/s. Citurgia Bio-Chemicals, Bombay
    2. M/s. Seth Chemicals Works Pvt. Ltd., Calcutta
  - (ix) Response to the questionnaire was filed by M/s. Citurgia Bio-Chemicals, Bombay and M/s. Seth Chemicals Works Pvt. Ltd., Calcutta. No exporter field response to the questionnaire;
  - (x) Since the Chinese origin material was exported by an exporter from Honkong, i.e., M/s. Advance Chemicals Ltd., the exporter was requested to provide information in accordance with the proviso to Section 9 A (1) (c). No response, however, has been received in this regard;
  - (xi) A Public Hearing was held by the Authority on 17th January, 1996 in order to provide further opportunity to importers, exporters, petitioners, and Embassy of China. The hearing was attended by the two importers viz. M/s. Citurgia Bio-Chemicals and M/s. Seth Chemicals Works Pvt. Ltd. besides the petitioner. M/s. China National Construction Ahui Company requested to postpone the hearing scheduled on 17/1/96 on the plea that from Jan. to March 96, there would be one National Holidays after another in China. The exporter was advised to sent written comments if so desired;
  - (xii) On the request of the importers who attended the 17th January hearing, the Authority decided to give some more time to the importers to defend their case and the hearing was postponed to 9th February, 1996. Accordingly, another hearing was held on 9th Feb., 1996 which was attended by the above importers and the petitioner. M/s. Advanced Chemicals Ltd., Hongkong informed that they are not sending anyone to represent in the hearing as the volume of material that it has exported was extremely small as a percentage of their total business. No written representation was received from them either;
  - (xiii) All the parties who attended the said public hearing were advised to present their submissions made in the public hearing in writing for obtaining counter comments from other party(ies) to the investigation and the written submissions received from the party(ies) were made available to the other party(ies) for their counter comments;

- (xiv) The Authority sought and verified information deemed necessary for the investigation, and to this end investigations were carried out at the premises of the petitioner's head office at Bombay and works at Surat;
- (xv) The Authority also conducted cost investigation and worked out optimum Cost of production and cost to make and sell Sodium Ferrocyanide in India on the basis of Generally Accounting Principles and Rule 6(8) of the Rules supra so as to ascertain as to whether anti dumping duty lower than the dumping margin would be adequate to remove the injury;
- (xvi) The investigation covered the period from 1st April, 1994 to 30th June, 1995.

### B. PETITIONER'S VIEWS

3. The petitioner made the following major points:
  - (i) The petitioner represents the domestic industry. Sodium Ferrocyanide being produced by the petitioner is a like product to the Sodium Ferrocyanide being imported from China;
  - (ii) China is dumping Sodium Ferrocyanide in India since 1993-94 and the petitioner approached the government for considering levy of anti dumping duty earlier also, which was, however, turned down by the Government;
  - (iii) Imports of Sodium Ferrocyanide steeply increased to 118 MT in 1994-95 because of dumping, and the petitioner was forced to approach to the Government again for levy of anti dumping duty;
  - (iv) Sodium Cyanide is a basic raw material going into production of Sodium Ferrocyanide, and considering the value of Sodium Cyanide alone, cost of even this single raw material is not being recovered by the exporters from China;
  - (v) China being a non-market economy, Normal Value should be considered based on cost of production worked out for China, and the same comes to US \$ 1440 per MT;
  - (vi) The CIF export price of Sodium Ferrocyanide from China, when adjust for the same level of trade comes to US \$ 615, which, when compared with Normal Value, clearly establish dumping of Sodium Ferrocyanide in India by the exporters from China;
  - (vii) The imports of Sodium Ferrocyanide have increased dramatically from 18 MT (1993-94) to 118 MT (1994-95) and 155 MT during the first six months of 1995-96;
  - (viii) Market share of imports from China increased dramatically from around 4% (1993-94) to 49% (1995-96);
  - (ix) The exports of Sodium Ferrocyanide from China at almost the same price level over the years in spite of increase in cost of production resulted in price suppression in the Indian market;

- (x) A situation of price undercutting prevailed in the Indian market in view of dumping from China;
- (xi) Indian industry has suffered material and real injury directly caused by the dumped imports.

### C. EXPORTERS VIEWS

4. The view expressed by the exporters are briefly as follows:—

- (i) China is on way to market economy due to rapid economic reform programme and all economic activities are directed by the relevant foreign supply and demand of the market and enterprises in China assume sole responsibility for their profit and loss and sale of their products at price below cost will lead to their bankruptcy;
- (ii) The prices of Sodium Ferrocyanide exported to India are comparatively low due to relatively cheap cost of raw material and labour and dumping of Sodium Ferrocyanide of Chinese origin, therefore, does not exist;
- (iii) The volume of material exported was extremely small as a percentage of their total consumption and it was not representing in the hearing.

### D. IMPORTERS VIEWS

5. The major views expressed by the importers in the public hearing and reproduced in writing are as follows:

- (i) Sodium Ferrocyanide has to be imported into India to ensure two sources of supply, as M/s. Gujarat Alkalies and Chemical Company could not supply enough quantities of Sodium Ferrocyanide;
- (ii) The price of Sodium Ferrocyanide from China has increased to US \$ 1066 per MT;
- (iii) The CIF price of Sodium Ferrocyanide from China has more or less remained constant from 1992-93. the Chinese prices of Sodium Ferrocyanide have gone down in Indian market due to reduction in the customs duties and not because of dumping by China;
- (iv) The export price from other countries such as West Germany have been around US \$ 800 per MT, which proves that the Chinese products are not dumped at low prices.
- (v) The Normal Value of US \$ 1350 per MT in China appears to be arbitrarily inflated by the fact that the same product is available from other European countries at prices close to Chinese prices.
- (vi) The export of Sodium Cyanide by the petitioner is not to the some party from whom Sodium Ferrocyanide is being imported. The Sodium Cyanide exported by the petitioner might be used in China in some other applications and not for converting it into Sodium Ferrocyanide;
- (vii) The petitioner has assumed its manufacturing process and consumption norms for working out Normal Value, which may be different in China. Indian



prices for some of the raw materials have been considered for constructing Chinese cost;

- (viii) The petitioner admitted that the Chinese export price to third countries is around the same level at which it is being exported to India conforming that there is no dumping from China;
- (ix) The petitioner is a multi product company and has not furnished basis of allocation of fixed cost;
- (x) The petitioner's plant could be oversized resulting in its underutilisation;
- (xi) The petitioner is a monopoly producer in India;
- (xii) The petitioner refused to consider reduction in its price of Sodium Ferrocyanide. M/s. Gujarat Alkalies and Chemicals Ltd., on request, reduced its prices to match the Chinese prices, which implies that there was scope for reduction in prices by the petitioner also.
- (xiii) The exporter could have changed its technology and process, which would have enabled them to maintain the prices and it is not necessary to increase the prices year by year.

#### E. EXAMINATION AND FINDINGS BY AUTHORITY

6. The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined and considered while arriving at these findings and wherever appropriate have been dealt hereinafter.

7. The Authority confirms, in the absence of any direct response from the exporters in the prescribed format, having made the findings on the basis of the fact available to it as per rule 6(8) *supra*.

#### F. LIKE ARTICLES

8. Sodium Ferro Cyanide is an organic chemical and is manufactured out of Sodium Cyanide, having application for production of fencycline, pigments, photographic fixing agents in electro plating industry, for fermentation processes of fruits acids and pharmaceutical/chemical industry etc. Sodium Ferro Cyanide is classified under custom code 2837.20 of Schedule I of the Customs Tariff Act, 1975 and No. 283720.04 under Indian trade classification (based on harmonized commodity description).

9. Sodium Ferrocyanide being imported from China has characteristics closely resembling to the Sodium Ferrocyanide being produced by the domestic industry and, therefore, the two are considered as like article in accordance with Rule 2(d) *supra*. The product, Sodium Ferrocyanide is, therefore, covered under the scope of this investigation.

#### G. DOMESTIC INDUSTRY

10. The petition has been filed by M/s. Cyanides and Chemicals Co. (a unit of M/s. Hindustan Development Corporation), 65, Free Press House, Nariman Point, Mumbai-400 021. M/s. Gujarat Alkalies and Chemicals Ltd. is also producing Sodium Ferrocyanide. Production of the petitioners, however, accounted for more than 80% of total Indian

Production and, therefore, the petitioner constitute domestic industry in accordance with Rule 2(b) *supra*.

#### H. NORMAL VALUE

11. Petitioner has not furnished normal value of Sodium Ferrocyanide based on domestic prices in China, pleading that China is a non-market economy and getting any information about domestic prices prevailing there is not only difficult but also could be misleading. Though it has furnished export price to third countries, it has alleged that the same are also at dumped prices and may not be relied upon. The petitioner suggested working out normal value based on cost of production constructed for China.

12. The petitioner has exported Sodium Cyanide, a key raw-material for production of Sodium Ferrocyanide, to China and requested that the price at which they have exported Sodium Cyanide to China should be considered for constructing the domestic price of the product in China. Regarding the other cost elements, it was suggested that the cost of production of Sodium Ferrocyanide in India should be the basis.

13. Some of the importers have expressed their viewed as set out in para 5 above on the methodology adopted by the petitioner in working out the normal value.

14. None of the exporters has furnished any information on the normal value. The normal value of US\$ 1350 per MT worked out on the basis of constructed cost and indicated in the notification initiating the investigation has also not been refuted by any of the exporters.

15. The Authority considered the above views and worked out normal value based on the facts available. The Authority notes that while it could be true that China is on way to market economy, yet the exporter has failed to furnish information in the prescribed form and manner and has not disclosed its selling prices in its home market. The exporter while arguing availability of cheaper raw material and labour has neither furnished any evidence in this regard, nor quantified the difference. Mere statement of the exporter on this account, therefore, cannot be considered. The normal value had to be reconstructed under Chinese conditions adopting appropriate reference levels. The weighted average export price of sodium cyanide from India to various destinations in the world and other costs based on Indian industry have been considered for reconstructing Normal Value of Sodium Ferrocyanide. The Normal value has been determined in accordance with sub clause (c)(ii)(b) of Section 9A of the Act *supra*.

#### I. EXPORT PRICE

16. The exporters from China have not furnished relevant information desired by the Authority. The export price had, therefore, to be worked out based on the information furnished by the importers in the format prescribed by the Authority.

17. Since the importers have furnished CIF prices, the CIF prices have been adjusted to work out ex-works export price on the basis of information furnished by the petitioner and the importers in the absence of any direct response in the

prescribed form and manner from the exporters. The petitioners claimed adjustment for (i) ocean freight (US \$ 80), (ii) insurance (US \$ 10), (iii) incidental charges (US \$ 5), and (iv) packing and inland freight (US \$ 20). Supporting evidence for adjustments for items (iii) and (iv) is not available. Adjustment for ocean freight has been admitted for US \$ 80 whereas for insurance, adjustment on the basis of importers information @ 0.377 % to 0.602 % of CIF value is considered for determining exporter wise export price.

### J. COMPARISON

18. For the purpose of fair comparison between the normal value and the export price, the Authority took into account the information furnished by the petitioner, importers and the best information available with it in the absence of any direct response in the prescribed form and manner from the exporters. The Authority has compared normal value with weighted average export price, both at ex-works level, for individual exporter and has arrived at following dumping margins :

(US \$/MT)	
Exporter	Dumping Margin
Advance Chem Ltd.	630
China National Chemical Construction Ahui Co, Guandong Chemicals Imp. and Exp. Corpn.	638
Sinochem Liaoning	586
	643

19. The Authority notes that the normal value and export price during the investigation period only are relevant for deciding dumping, and the current export price to India or international prices are not relevant for the purpose.

### K. INJURY

20. Under Rule 11 supra, annexure-II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, "...taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

21. For the examination of the impact on the domestic industry in India, the Authority considered such further indicia having a bearing on the state of industry as production, capacity utilization, sales, stock, profitability, net sales realisation, etc.

#### (a) Volume and Market Share of Dumped Imports :

22. Imports of Sodium Ferrocyanide from China increased from 18 MT (1993-94) to 320 MT during the period

of investigation, resulting in sharp increase in the volume of imports in absolute terms.

23. Market share of the imports from China in the total demand in the Country, considering total quantum of imports and indigenous sales of the Indian Producers, increased sharply from 4% (1993-94) to 32% during the period of investigation. The petitioner lost significant market share in spite of reduction in selling price as detailed in para 28 below.

#### (b) Export prices from China :

24. The CIF Export Price from China were Rs. 22300 per MT (1993-94) and Rs. 21217 per MT during the period of investigation and, therefore, remained nearly constant. The petitioner alleged that the export price in 1993-94 were also at dumped price, and had, in fact, filed a petition.

#### (c) Production and Capacity Utilization :

25. Production of the petitioner declined from an average of about 49 MT per month in 1992-93 to about 34 MT per month during the period of investigation. Authority notes that the production during 1993-94 was still lower (at an average of 29 MT per month) owing to higher stock. The petitioner could increase the production during the period of investigation due to increase in sale at prices lower than the levels at which the product was sold in 1992-93 and 1993-94.

#### (d) Sales in absolute terms :

26. Average sales in absolute terms per month were 42 MT (1992-93), 38.4 MT (1993-94) and 39.6 during the period of investigation. In spite of reduction in selling price of the product in 1993-94 onwards, the petitioner was not able to sell the product to the level achieved in 1992-93, though it could marginally achieve better results during the period of investigation as compared to 1993-94.

#### (e) Stocks :

27. The Authority notes that the petitioner had high level of stocks of 222 MT in the beginning of 1993-94 which gradually reduced to a low of 23.2 MT in June, 1994 mainly due to reduction in production activity in 1993-94 coupled with marginally increased sales on account of reduced selling price.

#### (f) Average Sales Realisation:

28. The unit sales realisation for the domestic industry declined gradually from Rs. 53478 per MT (1992-93) to Rs. 51768 per MT (1993-94) and Rs. 47255 per MT during the period of investigation. The Authority observed that the average sales realisation during the period of investigation was lower than optimum cost of production resulting in losses to the petitioner.

#### (g) Price undercutting :

29. The Authority finds that the Chinese exports were undercutting the prices of Sodium Ferrocyanide in the Indian market, and the domestic industry was forced to reduce its prices gradually and continuously in view of dumped imports from China.

**(h) Price Suppression :**

30. The Authority finds that the near maintenance of the export prices by the exporter from China over the years in spite of increase in the cost of inputs resulted in a situation of price suppression in the Indian market, which prevented the domestic industry to increase its prices commensurate with the increase in its cost of production.

**(i) Profit/loss :**

31. The petitioner is a part of multi-unit organisation engaged in multi-product activities, and no conclusion can be drawn from the printed annual accounts about the financial position of the company for the product under consideration. The Authority has, however, relied upon the profitability of the petitioner from the product under consideration after considering allocation and apportionment of expenses on the basis of Generally Accepted Accounting Principles. The Authority noted that the average sales realisation to the petitioner is less than the cost of production resulting in losses from the sale of Sodium Ferrocyanide.

**(j) Conclusion on injury :**

32. The Authority is led to inescapable conclusion that all the relevant factors, cumulatively and collectively establish that the domestic industry has suffered material injury during the period of investigation.

**L. CAUSAL LINK**

33. In determining whether material injury to the domestic industry was caused by the dumped imports, the Authority took into account the following facts :

- (i) The imports of the product from China increased significantly in absolute terms and relative to the production and consumption of the product in India. The share of China in the total imports also increased significantly. As a direct consequence, the domestic industry lost its market share to a significant level.
- (ii) The substantial imports of Sodium Ferrocyanide from China at dumped prices forced the domestic industry to reduce its selling prices to unremunerative level which resulted in a situation of price undercutting in the Indian market.
- (iii) The imports from China suppressed the prices of the product in the Indian market to such an extent that the domestic industry was prevented from recovering its full cost of production and earn a reasonable profit from the sales of Sodium Ferrocyanide in India.

**M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST**

34. The purpose of anti-dumping duties in general is to eliminate dumping which is causing injury to the domestic industry and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market which is in the general interest of the country.

35. The Authority recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the

products manufactured using Sodium Ferrocyanide and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is limited to the amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of Sodium Ferrocyanide. The Authority notes that the imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from China in any way, and therefore would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

36. The Authority confirms that it has worked out reasonable Selling Price of Sodium Ferrocyanide in India for the domestic industry, by considering the optimum cost of production at optimum level of Capacity Utilization for the petitioner, to ascertain the extent of anti-dumping duty necessary to remove the injury to the domestic industry. The selling price, being based on confidential data provided by the petitioner, has not been disclosed in these findings.

37. Injury being caused to the petitioner from factors other than dumping have not been considered by the Authority while recommending the amount of Anti Dumping Duty necessary to remove the full extent of injury to the petitioner.

38. The reduction in customs duties in no way affect the dumping per se. In so far as the injury is concerned, the Authority has calculated the level of injury being faced by the domestic industry after considering the customs duties prevailing during the period of investigation.

39. The Authority notes that demand of Sodium Ferrocyanide in India is less than the capacities available within the country. However, the Authority has worked out Fair Selling Price considering optimum level of Capacity Utilization and therefore, the incidence of higher overheads because of larger capacity than the demand has been nullified. Further, since the imposition of Anti Dumping Duty on imports originating from China will not restrict imports from that country, the imports will keep the domestic market competitive and will not allow any unfair advantage to the domestic industry. The petitioner cannot exercise monopoly.

40. While it could be true that the exporter might have changed its technology and process, yet, the same is presumptive. No argument has been advanced by any exporter in this regard, nor the same is quantified. The argument is therefore not accepted.

41. The Authority notes that the petitioner as well as the other producer have been forced by the importer to reduce the prices of Sodium Ferrocyanide which clearly establish a situation of price undercutting prevailing in the Indian market.

**N. CONCLUSIONS**

42. The Authority has, after considering the foregoing come to the conclusion that :

- (i) Sodium Ferrocyanide of Chinese origin has been exported to India below its normal value;
- (ii) the Indian industry has suffered material injury;
- (iii) the injury has been caused by the imports from China.

43. The Authority considers it necessary to impose an anti-dumping duty provisionally, pending final determination, on all imports of Sodium Ferrocyanide originating from China in order to remove the material injury to the domestic industry. The export price, normal value and the margin of dumping for each known exporter determined by the Authority are indicated in para 18.

44. The Authority considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. The weighted average landed price of the imports for individual exporter, for the purpose, was compared with the fair selling price of the domestic industry, determined by the Authority for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended, and accordingly the Authority recommends that provisional anti-dumping duties as set out below be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government on all

imports of Sodium Ferrocyanide falling under customs code 2837.20.04 originating from China, pending final determination.

(Rs. per MT)	
Exporter	Amount of Duty
Advance Chem Ltd.	19,877
China National Chemical	✓
Construction Ahui Co.	20,129
Guandong Chemicals Imp. and Exp. Corpn.	16,358
Sinochem Liaoning	20,287
Exporters other than above	20,287

45. The known exporters, importers and other interested parties are being separately addressed by the Authority, who may make known their views and request for an oral hearing to the Authority. Any other interested party may also make its views known within forty days from the date of its publication to the Authority.

T. S. VIJAYARAGHAWAN,  
Designated Authority  
and Additional Secy.  
to the Govt of India.